बाप की मत पर मिलती खुशी अपार
अपनी मत पर चलने से मिलता माया का श्राप
श्रीमत पर चल अपने पर रहम करो,श्रापसे बचो
बाप और पढ़ाई का जो करते निरादर
आसुरी चलन है,दैवी गुण करते नही धारण
लगाते वो अपनी बुद्धि पर ताला
देही-अभिमानी बन माया के धोखे से बचना
कुदृष्टि रखने से कुल का नाम होता बदनाम
बदचलनी नही चलनी,आज्ञाकारी बनना
निश्चय बुद्धि वालो के मस्तक पर स्मृति का तिलक आता नज़र
वो खुशी के झूले में झूलते,ज्ञान रत्नों से खेलते
जन्म से ही सेवा की जिम्मेवारी का ताज पहने होंगे
बुद्धि रूपी कंप्यूटर में फुल्सटॉप लगाना
माना प्रसन्नचित रहना

ॐ शांति
मेरा बाबा